हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 336 देहरादून रविवार 01 मार्च 2026 मूल्य :रू 2 पृष्ठ : 8

मुख्यमंत्री ने हल्द्वानी में 147 करोड़ 28.56 लाख की 40 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

- हल्द्वानी.काठगोदाम श्रोत एवं ट्रीटमेन्ट संवर्धन पेयजल योजना का किया गया भूमि पूजन

हल्द्वानी(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए ₹ 147 करोड़ 28.56 लाख की 40 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया, जिसमें 72 करोड़ 38 लाख की लागत से 23 योजनाओं का लोकार्पण तथा 74 करोड 90 लाख 56 हजार की लागत से 17 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकार्पण एवं शिलान्यास की गई योजनाओं से नैनीताल जिला विकास की नई रफ्तार से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड को विकसित उत्तराखंड बनाने की ओर तीव्रता से कार्य कर रही है। राज्य प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। राज्य सरकार द्वारा लिए गए कई ऐतिहासिक निर्णय अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विकास के साथ.साथ विरासत को भी आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि हमारा एकमात्र लक्ष्य उत्तराखंड को आगे बढ़ाना है, जिस पर हम संकल्पित होकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा

कि राज्य में समान नागरिक संहिता, सख्त नकल.विरोधी कानून, धर्मांतरण कानून जैसे कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि राज्य की संस्कृति, विरासत और पवित्रता से किसी को भी खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा।मुख्यमंत्री ने शिप्रा नदी में 30 मीटर स्पान के मोटर पुल, राजकीय औद्योगिक संस्थान हल्द्वानी में टैक्नोलॉजी लैब, कोटाबाग में नलकूप निर्माण, महादेवपुरम व झलुवाझाला नलकूप, बेलपोखरा नलकूप तथा बैलपडाव में सिंचाई नलकूप का लोकार्पण के साथ.साथ महिला महाविद्यालय में लैब निर्माण, लालकुआ में नलकूपों पर स्टैबलाइजर एवं जलजीवन मिशन के अंतर्गत 14 पेयजल योजनाओं हरिपुर लच्छी, कालूपुर पोखरिया, जीतपुर रैक्वाल, देवलातल्ला, भवानसिंह नवाड़, बसन्तपुर, किशनपुर रैक्वाल, चोरगलिया आमखेड़ा, जयराम परमा, हल्दूचौड़ जग्गी, भवानीपुर कृष्णा, पाडलीपुर, भगवानपुर दुर्गापुर, बकुटिया पेयजल योजना के साथ.साथ पशु चिकित्सालय रामगढ़ में भवन निर्माण सहित 23 विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने जिन 16 योजनाओं का शिलान्यास किया, उनमें कसियालेख से धारी मोटर मार्ग, रानीबाग.खुटानी, चाफी.पदमपुरी.धानाचुली, मोतियापाथर. शहरफाटक मार्ग सुधारीकरण, नैनीताल के अनावासीय भवन निर्माण, भेंटी. दियारी.खोली मोटर मार्ग, नशा मुक्ति केंद्र पाण्डे नवाड़ मरम्मत एवं कार्य, नवाबी रोड सीवरेज कार्य, सीवरेज 28 एमएलडी एसटीपी निर्माण, नारीमन तिराहे से गौलापुर तक सड़क मरम्मत, देवरामपुर. गौलागेट सड़क सुधारीकरण, हल्दूचौड़. गौलारोड डीबीएमसी कार्य, चांदनी चौक. घुड़दौड़ तक मार्ग सुधारीकरण, पीपल पोखरा में राइजिंग स्टेशन, हिम्मतपुर. बैजनाथ पीसी कार्य, वृन्दावन विहार एवं चांदनी चौक में पीसी नवनिर्माण, गुसाईपुर में सड़क सुधारीकरण एवं पनचक्की.चौफुला.कठघरिया नहर कवरिंग कार्य शामिल हैं।इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा मुख्यमंत्री घोषणा के अनुपालन में विशेष योजनांतर्गत सहायता (एसपीए) कार्यक्रम में स्वीकृत हल्द्वानी.काठगोदाम श्रोत एवं ट्रीटमेन्ट संवर्धन पेयजल योजना कार्य, जिसकी लागत कुल 15443 लाख रुपये है, का भी भूमि पूजन किया गया।

अल्मोड़ा मैग्नेसाइट उद्योग को मिली पुन: संचालन की अनुमति

- 500 परिवारों के करीब 2000 लोगों को मिला रोजगार का संबल

देहरादून(संवाददाता)। अल्मोड़ा स्थित मैग्नेसाइट उद्योग को माननीय उच्च न्यायालय से चार माह के लिए पुन: संचालन की अनुमति प्राप्त हो गई है। इस महत्वपूर्ण निर्णय से प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जुड़े लगभग 500 परिवारों के करीब 2000 लोगों को राहत एवं संतोष मिला है। लंबे समय से उद्योग बंद होने के कारण प्रभावित परिवारों के समक्ष आजीविका का संकट उत्पन्न हो गया था द्य राज्य सरकार के सतत प्रयासों के फलस्वरूप उद्योग द्वारा उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (न्ज्ञच्ब्ठ) से सीटीओ (ब्वदेमदज जव व्चमतंजम) प्राप्त किया गया। इसके उपरांत माननीय उच्च न्यायालय ने उद्योग एवं उससे जुड़े श्रमिकों और परिवारों के व्यापक हित को दृष्टिगत रखते हुए पुन: संचालन की अनुमति प्रदान की।

प्रदेश के सभी जनपदों में होगी 16, 17 तथा 18 मार्च को मॉक ड्रिल

- सचिव आपदा प्रबंधन ने की तैयारियों की समीक्षा

देहरादून(संवाददाता)। राज्य में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से दिनांक 16, 17 तथा 18 मार्च 2026 को उत्तराखण्ड के सभी 13 जनपदों में व्यापक स्तर पर मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। यह अभ्यास अलग-अलग तहसीलों में कराया जाएगा, ताकि जिला मुख्यालय के साथ-साथ तहसील स्तर पर भी आपदा से निपटने की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके और स्थानीय स्तर पर प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत किया जा सके।शनिवार को सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी जनपदों के अधिकारियों के साथ मॉक ड्रिल की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जनपदों ने अपने-अपने संभावित सिनेरियो तथा चयनित स्थलों के बारे में जानकारी दी। सचिव सुमन ने निर्देश दिए कि मॉक ड्रिल को वास्तविक परिस्थिति की तरह आयोजित किया जाए, ताकि अभ्यास के दौरान सही स्थिति सामने आ सके और तैयारियों का सही मूल्यांकन हो सके। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) द्वारा पूरे अभ्यास की निगरानी की जाएगी।सचिव सुमन ने बताया कि अब यूएसडीएमए स्वयं मॉक अभ्यासों को सफलतापूर्वक आयोजित करने में सक्षम हो चुका है। उन्होंने कहा कि अब जनपदों को भी इस स्तर तक सक्षम बनाया जा रहा है कि वे अपने संसाधनों के आधार पर नियमित रूप से मॉक ड्रिल कर सकें। इससे आपदा के समय त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित होगी और स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी। मॉक ड्रिल के माध्यम से विभागीय समन्वय, राहत एवं बचाव दलों की त्वरित प्रतिक्रिया, उपलब्ध संसाधनों का उपयोग दक्षता से करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही संचार व्यवस्था, चेतावनी प्रणाली, राहत सामग्री की उपलब्धता और उपकरणों की कार्यशीलता की भी जांच मॉक ड्रिल में हो सकेगी। सचिव सुमन ने कहा कि यूएसडीएमए जीरो डेथ के लक्ष्य को सामने रखकर कार्य कर रहा है। यदि पहले से तैयारी मजबूत हो और सभी विभाग मिलकर तेजी से काम करें, तो जनहानि को काफी हद तक रोका जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार...

जिला बदर अवधि से पहले दून लौटा गुंडा एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

देहरादून(संवाददाता)। गुंडा एक्ट के तहत छह महीने के लिए जिला बदर किया गया एक आरोपी निर्धारित अवधि पूरी होने से पहले ही चोरी-छिपे दून लौट आया। एसएसपी के निर्देशों पर अपराधियों पर नजर रख रही रायपुर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। एसओ गिरीश नेगी जिलाधिकारी के आदेश पर बालावाला की नंदनी कॉलोनी निवासी जगवीर सिंह नेगी (32) पुत्र युद्धवीर सिंह नेगी को गुंडा एक्ट में छह माह के लिए जिला बदर किया गया था।

होली और ईद को लेकर दून पुलिस अलर्ट, पीस कमेटी की बैठकों में शांति की अपील

देहरादून(संवाददाता)। होली, ईद और वर्तमान में चल रहे रमजान माह के मद्देनजर दून पुलिस अलर्ट मोड पर है। त्योहारों को आपसी सौहार्द और शांतिपूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से, एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल के निर्देश पर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में सभी धर्मों के संभ्रांत नागरिकों, सीएलजी सदस्यों और जनप्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से त्योहारों को मिलजुलकर मनाने की अपील की। इस दौरान सख्त हिदायत दी गई कि त्योहारों की आड़ में किसी भी नई परंपरा की शुरुआत नहीं की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि माहौल बिगाड़ने और अराजकता फैलाने वाले तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा। इसके लिए पुलिस सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर भी सतर्क दृष्टि रख रही है। अफवाह फैलाने या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ तत्काल कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

एआई जनित कला में आत्मा का अभाव

एआई का सबसे घातक प्रभाव रचनात्मकता पर पड़ रहा है। पहले कलाकार, लेखक और संगीतकार अपनी कल्पना से कृतियां रचते थे। अब मिडजर्नी या डैल-ई जैसे टूल्स प्रॉम्प्ट पर चित्र बना देते हैं, वो भी सुंदरता भरे। लेकिन क्या यह रचनात्मकता है? शिखर सम्मेलन में भारतीय कलाकारों ने प्रदर्शन किया कि एआई जनित कला में आत्मा का अभाव है। यह डेटा पर आधारित नकल मात्र है।अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। स्मार्टफोन से लेकर स्मार्ट होम तक, हर जगह एआई की छाप दिखाई देती है। इस सप्ताह नई दिल्ली में शुरू हुए अंतरराष्ट्रीय एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन में विश्व के नेता और विशेषज्ञ इसी पर चर्चा कर रहे हैं। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एआई के वैश्विक प्रभावों को समझना और नीतियां बनाना है,लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या हम एआई को अपनाते हुए अपनी स्वतंत्रता और रचनात्मकता को खो नहीं रहे? एआई ने सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन साथ ही हमें इतना आश्रित बना दिया है कि बिना इसके सोचना भी मुश्किल हो गया है। सोचने वाली बात यह भी है कि कैसे एआई जीवन को सरल बना रहा है, लेकिन रचनात्मकता को नष्ट कर रहा है।एआई की निर्भरता अब दैनिक जीवन का हिस्सा बन गई है। कल्पना कीजिए, सुबह उठते ही गूगल असिस्टेंट या सिरी आपको मौसम, ट्रैफिक और समाचार बता देता है। कार्यालय में ईमेल लिखने से लेकर डेटा विश्लेषण तक, चौटजीपीटी जैसे टूल्स सब कुछ तुरंत कर देते हैं। भारत में, जहां डिजिटल इंडिया अभियान ने 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता पैदा किए हैं, एआई आधारित ऐप्स जैसे उबर, जोमैटो, ब्लिंकिट आदि ने जीवन को अभूतपूर्व सरलता प्रदान की है।दिल्ली में हुआ अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में अमेरिकी विशेषज्ञों ने बताया कि एआई ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में 15 ट्रिलियन डॉलर का योगदान दिया है, लेकिन यह निर्भरता खतरनाक साबित हो रही है। एक सर्वे के अनुसार, 70त्न युवा बिना एआई टूल्स के रिसर्च नहीं कर पाते। समस्या तब गंभीर हो जाती है जब बिजली चली जाए या इंटरनेट कनेक्टिविटी बाधित हो जाए तो लोग हतप्रभ रह जाते हैं।

यह निर्भरता शिक्षा क्षेत्र में सबसे अधिक दिखाई दे रही है। छात्र अब निबंध लिखने के बजाय एआई से कॉपी-पेस्ट कर लेते हैं। कोटा के कोचिंग संस्थानों से लेकर आईआईटी तक, एआई टूल्स ने होमवर्क को आसान बना दिया, लेकिन समझ की गहराई कम कर दी। शिखर सम्मेलन के एक सत्र में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि एआई जनित सामग्री से छात्रों की आलोचनात्मक सोच 30त्न घटी है। भारत में एनसीईआरटी ने एआई उपयोग पर दिशानिर्देश जारी किए हैं, लेकिन फिलहाल इसका अमल कमजोर है। परिणामस्वरूप, आने वाली पीढ़ी समस्या-समाधान के बजाय श्प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग्ा सीख रही है, यानी एआई को सही सवाल कैसे पूछें। यह निर्भरता मानसिक आलस्य को जन्म दे रही है, जहां स्वयं सोचने की क्षमता क्षीण हो रही है।एआई का सबसे घातक प्रभाव रचनात्मकता पर पड़ रहा है। पहले कलाकार, लेखक और संगीतकार अपनी कल्पना से कृतियां रचते थे। अब मिडजर्नी या डैल-ई जैसे टूल्स प्रॉम्प्ट पर चित्र बना देते हैं, वो भी सुंदरता भरे। लेकिन क्या यह रचनात्मकता है? शिखर सम्मेलन में भारतीय कलाकारों ने प्रदर्शन किया कि एआई जनित कला में आत्मा का अभाव है। यह डेटा पर आधारित नकल मात्र है। उदाहरणस्वरूप, बॉलीवुड में एआई स्क्रिप्ट राइटर आ रहे हैं, जो पुरानी फिल्मों के पैटर्न दोहराते हैं। नतीजा? नवीनता का लोप। एक अध्ययन बताता है कि एआई सहायता से बनी कहानियां 40त्न कम मूल होती हैं। लेखन में भी यही समस्यादिखाई दी जाती है। एआई से उत्पन्न संपादकीय या कविताएं सतही लगती हैं, क्योंकि उनमें व्यक्तिगत अनुभव का पुट नहीं।रचनात्मकता नष्ट होने का एक कारण एआई की श्परफेक्शन्ा है। यह त्रुटिरहित उत्तर देता है, जिससे मानव प्रयास कमजोर लगने लगते हैं। कल्पना कीजिए एक चित्रकार को, वह घंटों ब्रश चलाता है, गलतियां सुधारता है और यही प्रक्रिया रचनात्मकता को परिपक्व बनाती है। परंतु एआई में यह संघर्ष नहीं होता। शिखर सम्मेलन के दौरान रिलीज हुई एक रिपोर्ट में कहा गया कि एआई ने वैश्विक पेटेंट आवेदनों में 25त्न वृद्धि की, लेकिन अधिकांश श्इंक्रीमेंटल्ा हैं, यानी नई खोजें कम हैं। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां स्टार्टअप संस्कृति फल-फूल रही है, एआई निर्भरता नवाचार को कुचल सकती है। उदाहरण के तौर पर, फिनटेक क्षेत्र में एआई एल्गोरिदम ऋण स्वीकृति करते हैं, लेकिन सृजनात्मक समाधान गायब हैं।इसके अलावा, एआई नैतिक दुविधाओं को भी जन्म दे रहा है। डीपफेक वीडियो से राजनीतिक हेरफेर भी हो रहे हैं। 2024 के अमेरिकी चुनावों में एआई ने काफी अफवाहें फैलाईं। इसे देखते हुए भारत में भी आगामी चुनावों से पहले सतर्कता बरतना सार्थक बन जाता है। शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने एआई के श्जिम्मेदार उपयोग्ा पर जोर दिया, लेकिन निर्भरता रोकने के उपाय कम चर्चित हुए।

अर्थव्यवस्था का एक नया नजरिया: भारत के जीडीपी के आधार में संशोधन को समझना

श्री सौरभ गर्ग

सकल घरेलू उत्पाद या जीडीपी किसी देश की अर्थव्यवस्था के आकार और उसकी सेहत को आंकने का एक तरीका है। यह एक राष्ट्र का वह रिपोर्ट कार्ड है, जो हमें बताता है कि वह देश वस्तुओं और सेवाओं के लिहाज से कितना उत्पादन कर रहा है। जब जीडीपी बढ़ रही होती है, तो आमतौर पर इसका मतलब होता है कि कारोबार जगत वस्तुओं एवं सेवाओं का अधिक उत्पादन कर रहा है, अधिक संख्या में लोगों को रोजगार मिल रहा है और आय बढ़ रही है। वैश्विक स्तर पर भी जीडीपी का बेहद महत्व होता है। वर्तमान में भारत विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है और अनुमान है कि 2030 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।अर्थव्यवस्था को मापने के एक साधन के रूप में, जीडीपी को अर्थव्यवस्था की सही नब्ज को पहचानने के उद्देश्य से नियमित रूप से संशोधित करते रहने की जरूरत होती है। इस काम को बदलती अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बनाए रखने के इरादे से जीडीपी के आधार वर्ष को नियमित अंतराल पर अद्यतन करके पूरा किया जाता है। जैसे- जैसे अर्थव्यवस्था के स्वरूप बदलता जाता है और नए उद्योग उभरते हैं, उपभोग के पैटर्न बदलते हैं तथा आंकड़ों के नए स्रोत विकसित होते हैं, इन संशोधनों से आधिकारिक आंकड़ों को असली हकीकतों के अनुरूप ढालने में मदद मिलती है और अनुमान अधिक सटीक व ठोस बन जाते हैं।आधार में पिछले संशोधन के बाद से आंकड़ों के नए स्रोतों की उपलब्धता ने हमें जीडीपी में अलग-अलग सेक्टरों और अलग-अलग क्षेत्रों के योगदानों को अधिक स्पष्ट रूप से देखने और बेहतर तरीकों को अपनाने में मदद की है। उदाहरण के लिए, अनौपचारिक क्षेत्र को भी व्यापक रूप से कवर करने वाले गैर-निगमित क्षेत्र द्वारा मूल्य वर्धन का अनुमान लगाने में संदर्भ में।जीडीपी के आधार में पिछले संशोधन के बाद से, कंपनियों के प्रबंधन एवं प्रशासन संबंधी आंकड़े (एमजीटी-7/7ए) जैसे कुछ नए किस्म के आंकड़े उपलब्ध हुए हैं। ये आंकड़े कंपनियों द्वारा की जाने वाली व्यावसायिक गतिविधियों की संख्या, एनआईसी 2008 के अनुसार व्यावसायिक गतिविधि के विवरण और प्रत्येक वर्ष प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि (उद्योग) से प्राप्त प्रतिशत कारोबार (टर्नओवर) की जानकारी प्रदान करते हैं। इसलिए, आधार का पुनर्निर्धारण करते समय बहु-गतिविधियों वाले उद्यमों के लिए मूल्यवर्धन को अब पहले की तरह पूरी तरह से मुख्य गतिविधि को आवंटित करने के बजाय नए उपलब्ध एमजीटी-7 के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न गतिविधियों में आवंटित किया जाता है। इस बदलाव से हमें अलग-अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से समझने में मदद मिलती है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि अर्थव्यवस्था को किस प्रकार संचालित कर रही है।जिस प्रकार कंपनी स्तर के नए आंकड़े हमें अलग-अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से मापने में मदद करते हैं, ठीक वैसे ही नई श्रृंखला में जीएसटी आंकड़ों के बेहतर उपयोग से अन्य बातों के अलावा, निजी कॉरपोरेट सेक्टर से संबंधित क्षेत्रीय आवंटन में सुधार और राज्य स्तर पर व्यय-पक्ष के अनुमानों के बेहतर संकलन के जरिए जीडीपी में क्षेत्रीय योगदानों का अधिक सटीक और सूक्ष्म दृष्टिकोण हासिल होता है।एएसयूएसई और पीएलएफएस जैसे सर्वेक्षणों से हासिल वार्षिक आंकड़ों की उपलब्धता, जिसकी सुविधा पहले नहीं थी, ने हमें गैर-निगमित क्षेत्र द्वारा वार्षिक रूप से मूल्यवर्धन का अनुमान लगाने की एक बेहतर पद्धति अपनाने में समर्थ बनाया है। पहले हम अन्य संकेतकों से अप्रत्यक्ष रूप से जीडीपी में इसके योगदान का अनुमान लगाते थे। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि लाखों घरेलू व्यवसायों, छोटी दुकानों और स्वरोजगार श्रमिकों से मिलकर बना यह सेक्टर अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है और रोजगार एवं आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।जीडीपी के आधार में संशोधन महज आंकड़ों के नए स्रोतों के उपयोग से कहीं आगे की बात है। यह कार्यप्रणाली में सुधार से भी जुड़ा है और इस संदर्भ में, जीडीपी की नई श्रृंखला में कई कार्यप्रणालीगत सुधार देखे गए हैं।पहले, कीमतों में बदलाव के अनुसार जीडीपी को समायोजित करने की दोहरी अपस्फीति (डबल डिफ्लेशन) विस्तृत विधि सिर्फ कृषि क्षेत्र में ही लागू होती थी। वर्ष 2022-23 की नई श्रृंखला में दोहरी अपस्फीति विधि का विस्तार करके इसे मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र तक ले आया गया है, जहां अब पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध हैं और अन्य सभी क्षेत्रों में एकल बहिर्वेशन (सिंगल एक्सट्रपलेशन)/ मात्रात्मक बहिर्वेशन (वॉल्यूम एक्सट्रपलेशन) विधि का उपयोग किया जाता है। यह दृष्टिकोण उपलब्ध आंकड़ों का सर्वोत्तम उपयोग करता है, जिससे अनुमान सटीक और विश्वसनीय बने रहते हैं। दोहरी अपस्फीति में बहुत अधिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसके लिए आउटपुट और इनपुट दोनों की कीमतों पर विस्तृत जानकारी की जरूरत होती है। जैसे-जैसे समय के साथ यह आंकड़ा और अधिक उपलब्ध होता जाएगा, हम इसके उपयोग का विस्तार और अधिक क्षेत्रों में कर सकेंगे।कार्यप्रणाली की दृष्टि से एक उल्लेखनीय सुधार यह है कि अर्थव्यवस्था के अनुमानों को उत्पादित वस्तुओं (उत्पादन पक्ष) और लोगों एवं कारोबार जगत द्वारा किए गए व्यय (खर्च पक्ष) के आधार पर ढाला गया है। ये दोनों पक्ष अक्सर पूरी तरह से मेल नहीं खाते, जो कि दुनिया के तमाम देशों में और खासकर तिमाही जीडीपी के मामले में, एक आम समस्या है। इस समस्या को दूर करने के उद्देश्य से नई श्रृंखला में श्आपूर्ति एवं उपयोग सारणी्ा के ढांचे का उपयोग किया जा रहा है ताकि प्रारंभिक अनुमानों में विसंगतियों को सीमित किया जा सके और अंतिम अनुमानों के समय पूरे आंकड़े उपलब्ध होने पर उन्हें पूरी तरह से दूर किया जा सके।जीडीपी के आंकड़ों को अद्यतन करना अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट नजरिए से देखने जैसा है। हर आर्थिक गतिविधि, चाहे छोटी हो या बड़ी, स्पष्ट रूप से सामने आती है और राष्ट्र के विकास में उसके योगदान का सटीक तरीके से उजागर होता है। बेहतर आंकड़ों का उपयोग करके, विधियों को परिष्कृत करके और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के अनुरूप ढलकर, मंत्रालय ने अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट रूप से पेश किया है। नागरिकों के लिए इसका मतलब यह है कि अब नीतियां एवं सार्वजनिक सेवाएं अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली की सटीक समझ पर आधारित हैं, जिससे विकास का असर सिर्फ कागजों पर ही नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी महसूस हो रहा है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

संक्षिप्त समाचार...

होली और रमजान पर माहौल खराब किया तो खैर नहीं

रुड़की(संवाददाता)। होली के पर्व और रमजान माह को लेकर पुलिस ने शनिवार को कोतवाली परिसर में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों और ग्राम प्रधानों के साथ बैठक की। कहा कि त्योहारों के दौरान आपसी सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सिंह कोश्यारी के निर्देशन में आयोजित इस बैठक में पुलिस अधिकारियों ने शांति व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। पुलिस ने कहा कि एक ओर रमजान का महीना चल रहा है और दूसरी ओर रंगों का त्योहार होली भी नजदीक है। ऐसे में सभी वर्गों को एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए मिलजुल कर त्योहार मनाना चाहिए।

खाद ब्लैक में बेचने के आरोप में कर्मचारी निलंबित

रुड़की(संवाददाता)। बहुउद्देशीय किसान सेवा सहकारी समिति दाबकी कला में एक कर्मचारी की ओर से ब्लैक में खाद बेचने का मामला सामने आया है। मामले की जानकारी लगने पर सहायक निबंधक ने कर्मचारी को निलंबित कर उससे इस बाबत स्पष्टीकरण तलब किया है। मामले में जिला सहायक निबंधक अधिकारी हरिद्वार को भी पत्र भेज दिया गया है। सहायक निबंधक अधिकारी सोनू चोपड़ा ने बताया कि उनके पास लक्सर कोतवाली के निकट बहुउद्देशीय किसान सेवा सहकारी समिति दाबकी का एमडी के तौर पर चार्ज है। बताया कि वह 20 फरवरी को समिति से घर वापस लौट गए थे, लेकिन जब वह 21 फरवरी को सुबह लगभग साढे नौ बजे किसान सेवा सहकारी समिति में पहुंचे तो वहां पर खाद बिखरा हुआ पड़ा था। इसके अलावा वहां पर दो पहिया ट्रक के निशान थे। बाद में उन्होंने वहां पर मौजूद कर्मचारियों से खाद की बाबत जानकारी की, लेकिन उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 28 लाख से अधिक की ठगी, तीन पर मुकदमा दर्ज

रुड़की(संवाददाता)। शहर में ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी के नाम पर बड़ा निवेश घोटाला सामने आया है। गंगनहर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। तीन लोगों को नामजद किया गया है। कंपनियों में निवेश पर 6 से 11 प्रतिशत मासिक लाभ देने का लालच देकर करीब 28.50 लाख रुपये की ठगी की गई है। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। गंगनहर कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में विकास शर्मा ने बताया कि वर्ष 2023 में परिचितों के माध्यम से उसे एक कंपनी की जानकारी दी गई। दिनेश चौहान निवासी सोलानीपुरम, सावन कुमार निवासी सैनिक कालोनी व रोहित सिंघल निवासी सुभाष नगर ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी से जुड़े थे।

मंदिर में पूजा करने आई महिला का मंगलसूत्र चोरी

रुड़की(संवाददाता)। लालकुर्ती स्थित खाटू श्याम मंदिर में पूजा करने पहुंची एक महिला का भीड़ में मंगलसूत्र चोरी हो गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के अशोक नगर ढंडेरा निवासी गीता सावंत पत्नी हरीश सावंत शुक्रवार शाम करीब सवा छह बजे मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए पहुंची थीं। उस समय मंदिर परिसर में काफी भीड़ थी। इसी बीच दो महिलाएं उनके पास आकर खड़ी हो गईं। एक महिला ने उनसे बातचीत शुरू कर ध्यान भटकाया, जबकि दूसरी ने मौका पाकर उनके गले से सोने का मंगलसूत्र निकाल लिया। कुछ देर बाद जब गीता सावंत को मंगलसूत्र गायब होने का एहसास हुआ तो उन्होंने शोर मचाया। आसपास मौजूद लोगों ने दोनों संदिग्ध महिलाओं की तलाश की, लेकिन तब तक वे फरार हो चुकी थीं। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। सिविल लाइंस कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप बिष्ट ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

शिक्षण संस्थान में छात्रों के दो गुट भिड़े, मारपीट में एक घायल

रुड़की(संवाददाता)। किशनपुर गांव के समीप स्थित एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान में शनिवार को छात्रों के दो गुटों के बीच जमकर कहासुनी और मारपीट हुई। कैंपस के भीतर हुए इस हंगामे से अफरा-तफरी मच गई। संघर्ष के दौरान सहारनपुर निवासी एक छात्र चोटिल हो गया, जिसने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। किशनपुर के समीप स्थित एक निजी शिक्षण संस्थान में शनिवार को किसी बात को लेकर छात्रों के दो गुट आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में लात-घूंसे चलने लगे। इस खूनी संघर्ष के दौरान एक पक्ष का छात्र रज्जा निवासी हरोड़ा, जनपद सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) चोटिल हो गया।

मेयर पासवान की अध्यक्षता में हुई राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के कार्यों की समीक्षा

ऋषिकेश(संवाददाता)। नगर क्षेत्र की आबोहवा को साफ करने के लिए नगर निगम ने सालभर में चार करोड़ 84 लाख रुपये खर्च किए हैं। इनमें 80 प्रतिशत कार्यों को पूरा कर लिया गया है। वहीं, 20 फीसदी काम मार्च तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। दावा है कि इन कार्यों के सम्पन्न होने से शहर की हवा का एयर क्वालिटी इंडेक्स 136 के निम्न स्तर से संतोषजक 84 पर पहुंच गया है। इसे 60 तक लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए नए वित्तीय वर्ष में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत नगर निगम को पांच करोड़ 21 लाख रुपये मिलना तय है। शनिवार को निगम कार्यालय में मेयर शंभू पासवान की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल ने साफ हवा के लिए शहर के विभिन्न स्थानों पर हुए कार्यों की जानकारी साझा की। बताया कि वायु की गुणवत्ता में सुधार के लिए केंद्र सरकार ने ऋषिकेश को भी राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में शामिल किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में सरकार ने पांच मंदों में वायु प्रदूषण रोकथाम को चार करोड़ 84 लाख रुपये जारी किए थे। इनमें सर्वाधिक तीन करोड़ तीन लाख सड़कों के कच्चे किनारों को इंटरलॉकिंग टाइल्स के माध्यम से पक्का करने पर खर्च हुए हैं। सर्वे में कच्चे किनारों की वजह से नगर क्षेत्र की हवा में सर्वाधिक प्रदूषण होना पाया गया था। नगर आयुक्त ने बताया कि ट्रैफिक जाम, कूड़ा जलाने और औद्योगिक इकाइयों भी प्रदूषण का कारण बनीं। इसी तरह से ग्रीन बेल्ट विकसित करने, जागरूकता, यातयात प्रबंधन और जागरूकता पर भी एक करोड़ से ज्यादा बजट व्यय हुआ है। बताया कि नए वित्तीय वर्ष में भी ऋषिकेश के लिए कार्यक्रम में बजट का प्रावधान है। निर्धारित मदों में आवश्यक कार्यों के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। कहा कि नागरिकों के सहयोग के बिना शहर की हवा को साफ रखना संभव नहीं है। उन्होंने बैठक में स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील भी की। वहीं, सहायक नगर आयुक्त चंद्रकांत भट्ट ने बताया कि अगले वित्तीय वर्ष में पांच करोड़ 21 लाख का आवंटन कार्यक्रम के तहत ऋषिकेश लिए होगा। इस मौके पर एआरटीओ प्रशासन रावत सिंह, संदीप रतूड़ी, प्रकाश अंथवाल, चरन सिंह, करीना मलिक, डोली भट्ट और गुरमीत सिंह आदि मौजूद रहे।

डोईवाला के भाजपाई देखेंगे 'गोदान' फिल्म

ऋषिकेश(संवाददाता)। रानीपोखरी स्थित सिनेमा हॉल में गौ माता पर आधारित 'गोदान' फिल्म का प्रदर्शन छह मार्च से होगा। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र तड़ियाल ने डोईवाला, रानीपोखरी, बालावाला मंडल के कार्यकर्ताओं को अलग-अलग तिथियों पर सामूहिक रूप से इस फिल्म को देखने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को डोईवाला नगर पालिका परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। इसमें डोईवाला, रानीपोखरी, बालावाला मंडल के कार्यकर्ता शामिल हुए। जिलाध्यक्ष राजेंद्र तड़ियाल ने कहा कि 'गोदान' फिल्म डोईवाला विधानसभा क्षेत्र में ही फिल्माई गई है। फिल्म के माध्यम से गौमाता के संरक्षण, उन्हें बचाने और उनके पालन-पोषण से जुड़ी बातों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इससे समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि 6, 7 और 8 मार्च को डोईवाला, रानीपोखरी, बालावाला मंडल पदाधिकारी और कार्यकर्ता क्रमशः अलग-अलग तिथियों पर रानीपोखरी सिनेमा हॉल में जाकर सामूहिक रूप से फिल्म देखेंगे। इस मौके पर गढ़वाल मंडल किसान मोर्चा सह संयोजक अरुण शर्मा, विनय कंडवाल, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष चंद्रभान पाल, डोईवाला मंडल अध्यक्ष पंकज शर्मा, माजरी मंडल अध्यक्ष रश्मि देवी, आदेश पंवार, मनमोहन नौटियाल, संदीप भट्ट, जीवन चौहान, प्रदीप नेगी और प्रकाश कोठारी आदि उपस्थित रहे।

प्रवेश अध्यक्ष और नितिन बने महासचिव

ऋषिकेश(संवाददाता)। श्यामपुर क्षेत्र के व्यापारियों के हितों को देखते हुए व्यापार मंडल श्यामपुर का गठन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से प्रवेश रावत को अध्यक्ष तथा नितिन रावत को महासचिव चुना गया। शनिवार को श्यामपुर फाटक समीप स्थित परमेश्वरी कौर धर्मशाला में क्षेत्र के व्यापारियों की बैठक हुई। बैठक में क्षेत्र के व्यापारी वर्ग के हितों की सुरक्षा को देखते हुए श्यामपुर व्यापार मंडल के गठन का निर्णय लिया गया। व्यापारियों ने सर्वसम्मति से प्रवेश रावत को अध्यक्ष, नितिन रावत को महासचिव, संदीप नेगी और मनीष अग्रवाल को उपाध्यक्ष, संयम जैन और संजय रावत राधे को सह सचिव चुना।

भारत सरकार के एजेंडे के अनुरूप करें बैठक की तैयारी: डॉ. धन सिंह रावत

- विभागीय मंत्री ने ली उच्च शिक्षा एवं विद्यालयी शिक्षा विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक

देहरादून(संवाददाता)। प्रदेश के उच्च शिक्षा एवं विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज अपने शासकीय आवास पर दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में मार्च माह के द्वितीय सप्ताह में नई दिल्ली में भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में प्रस्तावित बैठक की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री डॉ. रावत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रस्तुतीकरण भारत सरकार के एजेंडे के अनुरूप, तथ्यों एवं अद्यतन आंकड़ों पर आधारित तथा परिणामोन्मुखी हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार की उपलब्धियों, नवाचारों एवं भविष्य की कार्ययोजना को प्रभावी ढंग से पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण में शामिल किया जाए।डॉ. रावत ने समीक्षा बैठक में उच्च शिक्षा के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालयों में तैनात फैकल्टी, छात्र संख्या, आधारभूत संरचना, पुस्तकालयों में उपलब्ध पुस्तकों, इंटरनेट सेवाओं, प्रयोगशालाओं एवं अन्य आवश्यक संसाधनों का विस्तृत विवरण तैयार करने के निर्देश दिए।उन्होंने एनईपी-2020 के तहत किए गए पाठ्यक्रम सुधार, नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) के अनुरूप क्रेडिट संरचना, भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित पाठ्यक्रम, कौशल संवर्धन कार्यक्रम, शिक्षक प्रशिक्षण, डिजिटलीकरण, प्रयोगशालाओं के उच्चीकरण, छात्रावास सुविधाओं तथा नवाचार आधारित पहलों को प्रस्तुतीकरण में प्रमुखता से शामिल करने के निर्देश दिए।विद्यालयी शिक्षा के अंतर्गत डॉ रावत ने निर्देश दिए कि 8 मार्च तक सभी विद्यालयों में शत-प्रतिशत शौचालय व्यवस्था सुनिश्चित की जाए एवं 1 अप्रैल तक प्रत्येक विद्यालय में पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो। इसके साथ ही राजकीय विद्यालयों में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण, पेयजल व्यवस्था एवं आईसीटी लैब निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने को कहा।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मध्याह्न भोजन में मात्र सूजी पर निर्भर हैं बच्चे... एक सप्ताह से चावल की आपूर्ति नहीं हो पाई

उत्तरकाशी(संवाददाता)। जनपद मुख्यालय के आसपास के राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में करीब एक सप्ताह से मध्याह्न भोजन के लिए चावल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इससे बच्चों को मध्याह्न भोजन में मात्र सूजी पर निर्भर रहना पड़ रहा है। विद्यालय प्रबंधन के लोगों का कहना है कि इस संबंध में राशन विक्रेता सहित जिला पूर्ति विभाग को भी जानकारी दी गई लेकिन इस पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हो रही है। राजकीय प्राथमिक विद्यालय लदाड़ी के हेडमास्टर हरीश बिष्ट ने बताया कि बीते एक सप्ताह से उनके विद्यालय में मध्याह्न भोजन के लिए चावल की आपूर्ति नहीं हो पाई। यह स्थिति मात्र उनके विद्यालय नहीं बल्कि आसपास के मांडो सहित जसपुर आदि विद्यालयों में भी बनी हुई है। इससे बच्चों को पूरा आहार नहीं मिल पा रहा है। बिष्ट ने कहा कि इस संबंध में नजदीकी राशन विक्रेता से संपर्क किया गया। साथ ही जिला पूर्ति विभाग को भी सूचना दी गई लेकिन किसी प्रकार की कार्रवाई न होने के कारण बच्चों को दाल और सूजी खिलाकर ही काम चलाना पड़ रहा है। जबकि यह विद्यालय जिला मुख्यालय और पूर्ति विभाग के गोदाम से मात्र चार से पांच किमी की दूरी पर स्थित है। अभिभावकों का कहना है कि जब जनपद मुख्यालय के नजदीकी विद्यालयों में ही समुचित राशन नहीं पहुंच पा रहा है तो दूरस्थ गांव में कितने दिनों में मध्याह्न भोजन का राशन पहुंचता होगा। इससे दयनीय स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। बच्चों के मध्याह्न भोजन में यह बहुत बड़ी लापरवाही है। इसको लेकर जिला प्रशासन को कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं, इस संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी से फोन पर संपर्क नहीं हो पाया।

सब्जी मंडी को विस्थापित करने के लिए किया निरीक्षण

उत्तरकाशी(संवाददाता)। रामलीला मैदान के समीप अस्थायी सब्जी मंडी को विस्थापित करने के लिए काली कमली धर्मशाला के समीप और ज्ञानसू में सिंचाई विभाग कार्यालय के समीप की भूमि का निरीक्षण किया गया। वहां पर जहां उपलब्ध क्षेत्रफल, पार्किंग की संभावना, व्यापारियों एवं उपभोक्ताओं की सुविधा व भविष्य में विस्तार की संभावनाओं का जायजा लिया गया। नगर क्षेत्र में प्रस्तावित सब्जी मंडी के विस्थापन के संबंध में गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान एवं जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के नेतृत्व में संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया गया। प्रस्तावित सब्जी मंडी के लिए उपयुक्त स्थल के लिए पहले काली कमली धर्मशाला के पीछे स्थित संभावित स्थल का अवलोकन किया गया। इस दौरान वहां उपलब्ध भूमि की स्थिति, पहुंच मार्ग, जल निकासी तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का पूरा जायजा लिया गया। साथ ही प्रस्तावित स्थल पर मंडी स्थापित होने से स्थानीय यातायात व्यवस्था और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो आदि विषयों पर भी चर्चा की गई। उसके बाद ज्ञानसू क्षेत्र में सिंचाई विभाग के कार्यालय के समीप स्थित भूमि का भी निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने संबंधित अधिकारियों को निरीक्षण के दौरान सामने आये तथ्यों के आधार पर विश्लेषण कर जल्द कार्रवाई के निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम शालिनी नेगी, सीओ जनक पंवार, अधीक्षण अभियंता लोनिवि विजय कुमार, ईई लोनिवि रजनीश सैनी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका शालिनी चित्राण आदि मौजूद रहे।

लालढांग मार्ग निर्माण को लेकर 169वें दिन भी आंदोलन जारी, प्रदर्शन

कोटद्वार(संवाददाता)। भाबर के चिल्लरखाल में लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग निर्माण को लेकर 169वें दिन भी आंदोलन जारी रहा। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जीएमओयू के यात्री बसों व अन्य सार्वजनिक सेवाओं पर आए संकट को लेकर लोगों ने चिंता जताई। वक्ताओं का कहना है कि आंदोलन के 169 दिन बीत जाने के बाद आज तक भी सभी प्रकार के वाहनों के सुचारू रूप से संचालन के लिए एलिवेटेड रोड का रास्ता साफ नहीं हो पाया है। सुप्रीम कोर्ट के 12 फरवरी को आए आदेश से जनता में भारी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कहा कि हालिया आदेश से लालढांग मार्ग पर व्यावसायिक वाहनों के संचालन पर संकट मंडराने लगा है। यह मार्ग क्षेत्रीय जनता की लाइफ

नियमित योग और उचित खानपान से रोगों से मिलेगी मुक्ति

कोटद्वार(संवाददाता)। आईएचएमएस संस्थान के मैनेजमेंट विभाग की ओर से आयोजित योग कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को योग के माध्यम से निरोग रहने के गुर सिखाए गए। योग कार्यशाला में मुख्य योग प्रशिक्षक भारत स्वाभिमान न्यास उत्तराखंड के राज्य कार्यकारिणी सदस्य अमित सजवाण ने विद्यार्थियों को शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखने, स्मरण शक्ति व मानसिक विकास से संबंधित योगासन कराए। न्यास के कोटद्वार के युवा प्रभारी जितेंद्र काला एवं महिला पतंजलि की प्रतिनिधि सरिता रावत ने छात्र-छात्राओं को प्रणायाम, कपालभाती, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी आदि का अभ्यास कराया। अमित सजवाण ने कहा कि भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास अपने स्वास्थ्य के लिए समय नहीं है। अनियमित खानपान, जंक फूड स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल रहे हैं। बच्चों की नियमित दिनचर्या और योगा-प्रणायाम का अभ्यास निरोगी जीवन जीने में मदद करेगा। उन्होंने रोजाना कुछ समय योग को देने और भोजन में मौसमी फल और सलाद का अधिक उपयोग करने की अपील की।

बेस अस्पताल के अस्थि विभाग पर लटका ताला, भटक रहे मरीज

कोटद्वार(संवाददाता)। राजकीय बेस अस्पताल में चिकित्सकों की कमी से होने वाली मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। अनुबंध की अवधि पूर्ण होने और अभी विशेषज्ञ चिकित्सकों का नवीनीकरण नहीं होने से अस्पताल के अस्थि विभाग पर ताला लटक गया है। वहीं, एक गायनीकोलॉजिस्ट के सेवानिवृत्त होने के बाद अस्पताल के जच्चा वार्ड भी प्रभावित हो सकता है। राजकीय बेस अस्पताल में दो अस्थि सर्जन की तैनाती होने, अस्पताल में ऑपरेशन की सुविधा मिलने के कारण कोटद्वार के साथ5साथ उच्च पर्वतीय क्षेत्रों के अलावा यूपी के जनपद बिजनौर से हड्डियों के कई मरीज एवं दुर्घटनाओं में घायल हुए लोग उपचार के लिए बेस अस्पताल पहुंचते हैं। फिलहाल एक मार्च से दोनों अस्थि सर्जन की ओपीडी पर ताला लटका नजर आएगा। दरअसल अस्थि सर्जन डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. वीसी काला की 28 फरवरी को अनुबंध की अवधि समाप्त हो गई है। सर्जनों के नवीनीकरण के संबंध में स्वास्थ्य निदेशालय के अग्रिम आदेशों तक फिलहाल ओपीडी बंद रहेगी। हड्डियों की समस्या से जुड़े मरीजों एवं हादसों में घायल लोगों को उपचार के लिए भटकना पड़ेगा। शनिवार को ही दोनों ओपीडी बंद होने पर मरीज परेशान होकर लौटे।वहीं, अस्पताल के जच्चा-बच्चा केंद्र से वरिष्ठ गायनीकोलॉजिस्ट डॉ. भावना अग्रवाल 31 मार्च को सेवानिवृत्त हो जाएगी। उनके बाद एकमात्र गायनीकोलॉजिस्ट डॉ. संगीता नेगी के कंधों पर पूरी जिम्मेदारी होगी। वहीं, अस्पताल का इमरजेंसी वार्ड पहले ही मेडिकल अफसरों की कमी से जूझ रहा है। पांच में से एक चिकित्सक कार्यमुक्त हो रहे हैं। एक चिकित्सक की कार्यावधि समाप्त होने के चलते नवीनीकरण प्रक्रिया चल रही है। फिलहाल तीन मेडिकल अफसरों पर ही आपातकालीन चिकित्सीय सेवाओं का दारोमदार है। ---अस्थि सर्जनों के नवीनीकरण की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यालय से आदेश मिलते ही ओपीडी खुल जाएगी। गायनीकोलॉजिस्ट की तैनाती के संबंध में मुख्यालय से पत्राचार किया गया है। साथ ही मेडिकल अफसरों की कमी से अवगत कराया गया है। -डॉ. विजय सिंह, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक, बेस अस्पताल कोटद्वार(आरएनएस)।

अस्पताल परिसर में स्थायी पुलिस चौकी खोलने की मांग

उत्तरकाशी(संवाददाता)। जिला अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ मारपीट व अभद्रता की घटनाओं को लेकर कई बार चर्चाओं में रहा है। अस्पताल स्टाफ लंबे समय से परिसर में स्थायी पुलिस चौकी खोलने की मांग करता आया है लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया गया है। वर्ष 2017 में कोतवाली पुलिस उत्तरकाशी ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत अस्पताल परिसर में अस्थायी पुलिस चौकी स्थापित की थी। उस समय तत्कालीन जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की ओर से इसका विधिवत उद्घाटन भी किया गया था। हालांकि, बाद में किन्हीं कारणों से यह चौकी हटा दी गई। पिछले कुछ वर्षों में अस्पताल में डॉक्टरों और स्टाफ के साथ अभद्रता और मारपीट की घटनाएं बढ़ी है। गत वर्ष इमरजेंसी वार्ड में रात के समय डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आया था। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस प्रशासन से स्थायी चौकी खोलने की मांग को फिर से प्रमुखता से उठाया। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पीएस पोखरियाल के अनुसार, कई बार मरीजों के तीमारदारों की ओर से डॉक्टरों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। बीते वर्षों में सामने आए मामलों के कारण अस्पताल स्टाफ खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि डॉक्टरों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस चौकी का प्रस्ताव काफी पहले पुलिस प्रशासन को भेजा जा चुका है लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। परिसर में स्थायी पुलिस चौकी खुलने से डॉक्टरों, स्टाफ और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। एसपी कमलेश उपाध्याय का कहना है कि अस्पताल परिसर में दोबारा चौकी खोलने के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। इसकी प्रक्रिया गतिमान है।

डीएम अध्यक्षता में हुई जिला उद्योग मित्र समिति की बैठक

उत्तरकाशी(संवाददाता)। डीएम प्रशांत आर्य ने उद्यमियों को विधिवत रूप से औद्योगिक इकाइयों का संचालन करने को कहा है। उन्होंने स्थानीय उद्योगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण और औद्योगिक विकास को गति देने पर जोर दिया है। डीएम की अध्यक्षता में जिला सभागार में जिला उद्योग मित्र समिति की बैठक हुई। जिसमें उद्योग विभाग के राजकीय मिनी औद्योगिक आस्थानों में भूखंड आवंटियों, उद्यमियों की ओर से स्थापित इकाइयों की समीक्षा की गई। जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक शैली डबराल ने बताया कि जनपद में विभाग के तीन मिनी औद्योगिक आस्थान क्रमशः गणेशपुर भटवाड़ी, सैणी डुंडा और पुरोला में अवस्थित है। जिनमें से मिनी औद्योगिक आस्थान पुरोला अविकसित है। मिनी औद्योगिक आस्थान गणेशपुर भटवाड़ी व मिनी औद्योगिक आस्थान सैणी डुंडा विकसित है जिनमें क्रमशः 21 भूखंड व 31 भूखंड है, जो क्रमशः 13 व 9 उद्यमियों को आवंटित किए गए हैं। डीएम ने औद्योगिक इकाई संचालन से संबंधित किसी भी समस्याओं के निस्तारण में सहयोग का आश्वासन दिया गया। बैठक में एडीएम मुक्ता मिश्र, पीडी डीआरडीए अजय सिंह, प्रबंधक उद्योग दीपेश चौधरी, अग्रणी बैंक प्रबंधक अमित लाल, ईई यूपीसीएल मनोज गुसाईं, राज्य कर अधिकारी एसएस रावत, अग्निशमन अधिकारी एनएस रावत उपस्थित रहे।

यमुनोत्री के 2.5 किमी जोखिमभरे रास्ते को सुरक्षित बनाएगा वन विभाग

उत्तरकाशी(संवाददाता)। चारधाम यात्रा से पहले यमुनोत्री धाम के वैकल्पिक पैदल मार्ग के सुधारीकरण को लेकर वन विभाग ने तैयारियां तेज कर दी है। भंडेलीगाड से यमुनोत्री तक 2.5 किमी पैदल मार्ग पर मार्च से कार्य शुरू करने की योजना है। विभाग ने 19 अप्रैल को कपाट खुलने से पहले मार्ग को सुरक्षित और सुगम बनाने का लक्ष्य रखा है। जानकीचट्टी से यमुनोत्री धाम तक कुल पांच किमी का पैदल सफर तय कर हर साल यात्री धाम के दर्शन को पहुंचते हैं। यमुनोत्री पैदल मार्ग के मध्य भंडेलीगाड से यमुनोत्री धाम तक करीब 2.5 किमी जोखिम भरा बना हुआ है। मार्ग संकरा और जोखिमभरा माना जाता है। विशेषकर पीक सीजन के दौरान जब श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होती है। मार्ग पर फिसलन और ढलान अधिक है। सुरक्षा इंतजाम सीमित है। फिलहाल इस हिस्से के रख रखाव का कार्य वन विभाग देख रहा है। पीक सीजन पर सुरक्षा और सुव्यवस्थित यात्रा के लिहाज से मार्ग का उपयोग किया जाता है लेकिन मार्ग जोखिम भरा होने से चारधाम यात्रा से जुड़े हुए घोड़े खच्चर, डंडी कंडी मजदूर इसे सुरक्षित और सुगम बनाने की मांग करते आ रहे है। चारधाम यात्रा से जुड़े स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को उम्मीद है कि इस बार यात्रा से पहले मार्ग की स्थिति बेहतर होगी जिससे यात्रा अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बन सकेगी। अपर यमुना वन विभाग के प्रभागीय वनाधिकारी रविंद्र पुंडीर ने बताया कि जल्द ही उक्त मार्ग से सुधारीकरण का बजट जिला प्रशासन से अवमुक्त होने वाला है। मार्च में इस पर सुधारीकरण काम शुरू कर कपाट खुलने से पहले इसे सुरक्षित और सुगम बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री धामी ने हल्द्वानी में पीएसपी मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर का किया शुभारंभ

हल्द्वानी(संवाददाता)। शनिवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद नैनीताल के हल्द्वानी भ्रमण के दौरान रामपुर रोड स्थित पीएसपी मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के शुभारंभ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अवसर केवल एक अस्पताल के उद्घाटन का नहीं, बल्कि दृढ़ निश्चय, संघर्ष और सेवा की प्रेरक यात्रा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पीएसपी मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर का शुभारंभ समाज के प्रति समर्पित एक ऐसे परिवार की कहानी को दर्शाता है, जिसने अपने जीवन मूल्यों को कर्म के माध्यम से साकार किया है।मुख्यमंत्री ने संस्थान के संस्थापक, जनपद बागेश्वर के गागरी गोल गांव से निकलकर स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले जगदीश सिंह पिमोली को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

दीं। उन्होंने कहा कि एक साधारण ग्रामीण परिवेश से प्रारंभ हुई उनकी यात्रा आज स्वास्थ्य सेवा के इस आधुनिक केंद्र तक पहुँची है, जो हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। पिमोली का संघर्ष, परिश्रम और संकल्प आज उनकी सफलता की सच्ची मिसाल है। दूरस्थ गांव से आकर उन्होंने पहले व्यापार के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई और अब चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश कर मानव सेवा के इस पवित्र कार्य को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि 250 बेड का यह आधुनिक मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से सुसज्जित है। यह संस्थान भविष्य में चिकित्सा उत्कृष्टता के मानचित्र पर उत्तराखंड को और अधिक सशक्त बनाएगा। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया है। यह अभियान बालिकाओं में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हमारी बेटियों के जीवन के लिए बड़ा खतरा बनती जा रही थी। बेटियों को इस गंभीर रोग से सुरक्षित करने के संकल्प के साथ यह राष्ट्रव्यापी अभियान प्रारंभ किया गया है, जो आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक सुलभ और प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश में आयुष्मान उत्तराखंड योजना के अंतर्गत 61 लाख से अधिक नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। नि:शुल्क जांच योजना के तहत मरीजों को 207 प्रकार की पैथोलॉजिकल जांचें बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि ऊधमसिंह नगर में एम्स के सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिससे क्षेत्र की बड़ी आबादी को उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। ये सभी प्रयास प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के अपने "विकल्प रहित संकल्प" को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने होली गायन कार्यक्रम में भी प्रतिभाग किया तथा सभी प्रदेशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में सांसद नैनीताल-ऊधमसिंह नगर अजय भट्ट, पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरमवाल, विधायक लालकुआं मोहन सिंह बिष्ट, विधायक भीमताल राम सिंह कैड़ा, विधायक नैनीताल सरिता आर्या, विधायक कपकोट सुरेश गड़िया, मेयर हल्द्वानी गजराज सिंह बिष्ट, दायित्वधारी अनिल कपूर डब्बू, दिनेश आर्या, शंकर कोरंगा, नवीन लाल वर्मा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेइसके अतिरिक्त कुमाऊँ आयुक्त दीपक रावत, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी, पीएसपी मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के संस्थापक जगदीश पिमोली एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

स्थानीय ग्रामीण लोगों के साथ बैठक आयोजित

रामनगर (संवाददाता)। कार्बेट टाइगर रिजर्व द्वारा स्थानीय स्तर पर जन संवाद स्थापित करने एवं स्थानीय ग्रामीण लोगों के साथ एक बैठक आयोजित कर उनकी समस्याओं को प्रमुखता से सुनने एवं उनके जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान करने के लिए हर माह के अन्तिम शनिवार को ष्प्रभाग दिवसष् आयोजित किये जाने के लिए निर्देशित किया गया है। कॉर्बेट पार्क के

बिजरानी रेज परिक्षेत्र की सीमा से सटे ग्रामो/खत्तो के ग्रामीणों के लिए रिंगौड़ा वन परिसर में प्रमाग दिवस कार्यक्रन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को सुनना,वन विभाग एवं ग्रामीणों के मध्य समन्वय को सुदृढ़ करना है।बैठक में पार्क वार्डन बिन्दर पाल द्वारा जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों को प्रभाग दिवस कार्यक्रम में बताया गया कि प्रभाग दिवस कार्यक्रम वन विभाग एवं स्थानीय लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का एक साधन है. जिसमें कि वन क्षेत्रों के आस-पास के ग्रामवासी पहुँचकर अपनी स्मस्यायें रख सकते है।विभागीय अधिकारियों और कर्मचरियों द्वारा उनका मौके पर निराकरण करने का प्रयास किया जाता है। आमडण्डा एवं रिंगौड़ा खत्तावासियों द्वारा मूलभूत सुविधाओं जैसे-बिजली, पानी, मोबाईल नेटवर्क की समस्या से अवगत कराया गया, जिसके तहत विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रामवासियों को उक्त स्मस्याओं के निराकरण किये जाने के लिए नियमानुसार उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया।इसके अतिरिक्त बिजरानी रेंज के रेंजर नवीन चन्द्र पाण्डे द्वारा वन क्षेत्रों के निवासरत ग्रामीणों से विशेष अनुरोध किया गया कि वे अपने घरों के आस-पास कूड़ा न जलाये, क्योंकि कूड़े से उत्पन्न आग के फैलने की प्रबल सम्भावना बनी रहती हैउनके द्वारा अवगत कराया गया कि वनाग्नि काल में वन एवं वन्यजीवों की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। वनाग्नि की कोई भी घटना घटित होने पर स्थानीय वन चौकी पर सूचित करने के लिए अनुरोध किया गया। साथ ही मानव-वन्यजीव संघर्ष न्यूनीकरण एवं रोकथाम के दृष्टिगत ग्रामीणों से यह भी अनुरोध किया गया कि ग्रामीण अपने घरों के आस-पास भोजन, अनाज या कचरा खुले में न फेंके।

सीएम धामी ने हल्द्वानी में कानून व्यवस्था व विकास कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की

नैनीताल(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को एफटीआई सभागार, हल्द्वानी में कानून व्यवस्था एवं जनपद में संचालित विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप सभी कार्य समयबद्ध, पारदर्शी एवं समन्वय के साथ पूरे किए जाएं। मानव-वन्यजीव संघर्ष पर प्रभावी रोक के निर्देश : मुख्यमंत्री ने मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए आधुनिक तकनीक के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने सभी संवेदनशील स्थानों पर ट्रैप कैमरे लगाए जाने, सोलर फेंसिंग व तारबाड़ प्रणाली को मजबूत करने तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वन विभाग को ठोस एवं कारगर उपाय अपनाने के लिए कहा, ताकि जनहानि और फसलों को होने वाले नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।वनाग्नि की रोकथाम के लिए मुख्यमंत्री ने फायर लाइन (अग्निरोधक खाइयों) को दुरुस्त

रखने, संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग बढ़ाने, रेंजवार मॉनिटरिंग करने और जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वनाग्नि की किसी भी घटना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।विकास कार्यों में समन्वय और जवाबदेही पर जोर : हल्द्वानी शहर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्य आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं, अत: निर्माण कार्यों के दौरान जनता को अनावश्यक असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी और जवाबदेही के साथ करें। कार्यों में लापरवाही किसी भी स्थिति में क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि विभाग आपसी जिम्मेदारियों को एक-दूसरे पर न डालें और सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण हों।कानून व्यवस्था पर सख्त संदेश : मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उत्तराखंड में कानून व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस, प्रशासन तथा सभी विभागों को आमजन के प्रति संवेदनशील, उत्तरदायी और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाने के निर्देश दिए।रानीबाग में आईटी हब की योजना : मुख्यमंत्री ने बताया कि रानीबाग स्थित बंद पड़ी एचएमटी फैक्ट्री की भूमि पर सरकार द्वारा आईटी हब विकसित करने की योजना पर कार्यवाही गतिमान है। इससे क्षेत्र में रोजगार सृजन एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने हल्द्वानी नगर के बच्चीनगर सहित अन्य क्षेत्रों में सिंचाई विभाग की नहरों के चौड़ीकरण एवं मरम्मत संबंधी प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

पैसे के लेनदेन को हुए विवाद में कर दी साथ काम करने वाले की हत्या,

रानीपोखरी (संवाददाता)। सीओ ऋषिकेश नीरज सेमवाल ने धारकोट क्षेत्र में हुई हत्या का खुलासा किया है। सीओ ऋषिकेश नीरज सेमवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया थाना रानीपोखरी को बृहस्पतिवार को सूचना मिली थी कि नीम करौली मंदिर धारकोट के पास निर्माणधीन मकान के अंदर एक व्यक्ति चित अवस्था में पड़ा है। जिसको अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने उसको मृत घोषित किया। शुक्रवार को मृतक के भाई द्वारा उनकी पहचान बबलू पुत्र रिक्खी राम निवासी ग्राम जरही मोतीपुर बहराईच उत्तरप्रदेश के रूम में हुई थी। मृतक बबलू के भाई प्रमोद द्वारा बबलू के साथ मजदूरी का कार्य करने वाले पप्पू साहनी निवासी बेगूसराय शहर बिहार पर हत्या करने को लेकर तहरीर दी थी। जिस पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया था। तत्काल अलग अलग टीमों का गठन किया गया ओर जानकारी मिली कि उक्त व्यक्ति घटना के बाद से फरार है। मुखबिर की सूचना पर आरोपी को भुईयां मंदिर थानों रोड से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक व आरोपी एक साथ मजदूरी का कार्य करते थे 22 फरवरी की रात्रि में पैसे के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया था जिसके बाद आरोपी ने मृतक के सर में हथौड़े से हमला कर दिया था। जिसके बाद बबलू बेहोश होकर गिर गया था। आरोपी के उठाने पर जब बबलू में कोई हलचल नहीं हुई तो आरोपी पप्पू घबरा गया और अगली सुबह मृतक बबलू के ऊपर कंबल डाल कर फरार हो गया था। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक हरीश सती, मनवर सिंह नेगी, विजेंद्र सिंह, राजकुमार, कांस्टेबल मनोज कुमार, शशिकांत रहे।

बहुद्देशीय शिविर में एसबीआई ने जरूरतमंदों को वितरित की सहायक सामग्री

अल्मोड़ा (संवाददाता)। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज भिकियासैंण में आयोजित वृहद बहुउद्देशीय शिविर में भारतीय स्टेट बैंक की ओर से सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत विशेष पहल देखने को मिली। शिविर में एक ओर जहां आमजन और विद्यार्थियों को विधिक अधिकारों और निःशुल्क सहायता की जानकारी दी गई, वहीं दूसरी ओर एसबीआई ने जरूरतमंद लोगों के लिए उपयोगी सामग्री वितरित कर अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को मजबूत किया। शिविर में राष्ट्रीय और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका, महिलाओं, बच्चों, ट्रांसजेंडर और वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों आदि की जानकारी दी गई। इसके साथ ही भारतीय स्टेट बैंक की ओर से जन-जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी रही। क्षेत्रीय प्रबंधक कमल छाबड़ा के मार्गदर्शन और मानव संसाधन प्रबंधक अजय कुमार मिश्रा के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में एसबीआई भिकियासैंण शाखा ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत 100 छड़ियां, 50 श्रवण यंत्र और 25 वाटर प्यूरीफायर जरूरतमंद लोगों को वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। कार्यक्रम में बैंक अधिकारियों ने बताया कि एसबीआई समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाता रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी जरूरतों से जुड़े क्षेत्रों में बैंक की ओर से लगातार कार्य किए जा रहे हैं, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सीधा लाभ मिल सके। शिविर के दौरान लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी भी दी गई। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे उपयोगी बताया। इस अवसर पर बैंक की ओर से क्षेत्रीय प्रबंधक कमल छाबड़ा, मानव संसाधन प्रबंधक अजय कुमार मिश्रा, शाखा प्रबंधक दीप्ति, संजीव कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

भीषण सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौके पर ही मौत

हल्द्वानी (संवाददाता)। लालकुआं राष्ट्रीय राजमार्ग पर बेरीपड़ाव स्थित अष्टादश भुजा महालक्ष्मी मंदिर के पास शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ बैठी युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और हाईवे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई।पुलिस के अनुसार हिम्मतपुर चौमवाल निवासी 32 वर्षीय कार्तिक कांडपाल शनिवार सुबह लगभग 10 बजे स्कूटी से हल्दूचौड़ की ओर जा रहे थे। रास्ते में गांव की 25 वर्षीय नेहा कांडपाल ने उनसे लिफ्ट ली और स्कूटी पर सवार हो गई। नेहा एक निजी कंपनी में कार्यरत बताई जा रही है। गांव की सड़क से राष्ट्रीय राजमार्ग पर चढ़ने के बाद कार्तिक ने आगे चल रहे डंपर (संख्या यूके-01-सीए-3035) को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान स्कूटी अनियंत्रित होकर डंपर के नीचे जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार्तिक का सिर डंपर के नीचे आ गया और उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।हादसे में नेहा के सिर पर गंभीर चोटें आईं।

दस दिनी तराबीह मुक्कमल होने पर दुआये खैर की

रामनगर (संवाददाता)। कुरैशी बिरादरी रामनगर के सदर हाजी तैय्यब कुरैशी जी के बेटे वसीम कुरैशी के मोहल्ला खताड़ी स्थित निवास में जुमे की रात में 10 दीनी तराबीह की मुक्कमल होने पर दुआये खैर की गयी। इस मौके पर शहर ईमाम् मुफ्ती गुलाम मुस्तफा नईमी साहब ने कोमे मुस्लिम के लिये दुआये की साथ ही हल्द्वानी के मुस्लिम भाइयो को बेघर होने से बचाने की दुआये भी अल्लाह की बारगाह में की गयी। तराबीह हाफिज उजैर जी (ढकिया व डिलारी) ने अता करायी। इस मौके पर शहर काजी मुफ्ती गुलाम मुस्तफा नईमी ने बताया कि कुरान इंसान को अंधेरे से उजाले की ओर लाने का काम करता है। उन्होंने सल्तनते उस्मानिया व इराक व भारत का इतिहास बताये हुये कहा कि जब तक हुक्मरानों ने कुरान को दिल मे रखा तब तक उन्होंने दुनिया पर राज किया और जब-2 मुसलमानो ने कुरान पर तवज्जो कम करी तब तब इस कोम पर परेशानियों ने पहाड़ तोड़ा। उन्होंने कुरान की तिलावत हुजूर के बताये हुये रास्तो पर चलने की बात कही। इस मोके मुफ्ती सलीम सैफी, जामा मस्जिद के नयाब इमाम हाफिज मुजफ्फर, मौलाना आरिफ, मौलाना अमजद, कारी फुरकान, कारी अफजाल मोइन, कारी फारुख, हाफिज उबेद, हाफिज नोशाद, मौलाना नाजिम, मुफ्ती आजम, मौलाना फुरकान, हाजी तैय्यब, वसीम कुरैशी, बबलू कुरैशी, साहिल कुरैशी, रजब कुरैशी, नजर कुरैशी, शाहनबाज कुरैशी, दिलनवाज कुरैशी, सुलेमान कुरैशी, रज्जाक कुरैशी मुंशी जी, शबाब कुरैशी, डॉ अतीक वारसी, डॉ जफर सैफी, डॉ अरशद वारसी, सकलेन, मुज्जमिल अंसारी सहित बड़ी तादाद में नमाजी व शहर के उलेमा हजरात मौजूद रहे।

बैंक्वेट हॉल स्वामी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद

हल्द्वानी (संवाददाता)। शहर में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब सुशीला तिवारी अस्पताल के समीप खड़ी एक कार के अंदर प्रसिद्ध बैंक्वेट हॉल स्वामी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। घटना मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल के बेहद नजदीक होने के कारण सुरक्षा एजेंसियां भी अलर्ट मोड में आ गई हैं।मृतक की पहचान बरेली रोड स्थित चर्चित 'घूंघट बैंक्वेट हॉल' के स्वामी अरुण बिष्ट (32 वर्ष) के रूप में हुई है।काफी देर से खड़ी कार ने बढ़ाया शक।स्थानीय लोगों ने सुबह करीब 9 बजे अस्पताल के पास एक कार को लंबे समय से संदिग्ध हालत में खड़ा देखा। वाहन के सभी शीशे बंद थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।कार लॉक होने के कारण पुलिस को दरवाजा तोड़ना पड़ा, जिसके बाद युवक को बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसी ऑन, बंद शीशे ख्र मौत पर उठे सवाल!पुलिस जांच में सामने आया कि कार का एसी चालू था और वाहन पूरी तरह बंद था। प्रारंभिक आशंका दम घुटने (सफोकेशन) से मौत की जताई जा रही है, हालांकि परिस्थितियां संदिग्ध होने के कारण पुलिस किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बच रही है।फॉरेंसिक और खुफिया एजेंसियां भी सक्रियघटनास्थल मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल के पास होने से मामला संवेदनशील माना जा रहा है।फॉरेंसिक टीम ने कार से फिंगरप्रिंट व अन्य साक्ष्य जुटाएखुफिया विभाग (स्न्) ने भी जांच शुरू कीपुलिस आत्महत्या, हादसा या साजिश ख्र तीनों एंगल पर जांच कर रही हैपोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजारपुलिस अधिकारियों के अनुसार मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल परिजनों से पूछताछ के साथ मृतक की गतिविधियों और कॉल डिटेल भी खंगाली जा रही हैब्द कार्यक्रम से पहले हुई इस घटना ने शहर में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

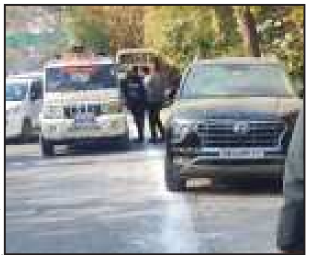

कोटाबाग मै माया उपाध्याय के गानों पर खूब थिरकी महिलाएं

मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने सभी से धूमधाम से होली मनाने को कहा

कोटाबाग (संवाददाता)। शनिवार को कोटाबाग के डाक बंगला मैदान में होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। होली मिलन कार्यक्रम में कोटाबाग ब्लॉक के गैबुआ, पत्तापानी, बैलपोखरा, धमोला, पवलगढ़, दोहनिया, चांदपुर, आंवलाकोट, दे गांव, मूसाबगर, नयागांव के गांव की महिलाओं ने होली मिलन कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर प्रतिभा किया। कार्यक्रम में हल्द्वानी के महापौर गजराज सिंह बिष्ट मौजूद रहे जहां उन्होंने सभी महिलाओं का होली मिलन कार्यक्रम में आने पर धन्यवाद किया एवं सभी से खूब धूमधाम से होली पर मनाने की अपील की, गजराज सिंह बिष्ट ने नैनीताल जिले में कोटाबाग को सबसे सुंदर गांव होने की बात कही, होली मिलन कार्यक्रम में करीब 2500 महिलाओं ने माया उपाध्याय की गानों पर खूब नाच गाना किया, कार्यक्रम में कोटाबाग के मुख्य बाजार एवं ग्राम सभा पांडेगांव की महिलाओं ने मंच पर अपनी पहाड़ी होली की प्रस्तुति दी।

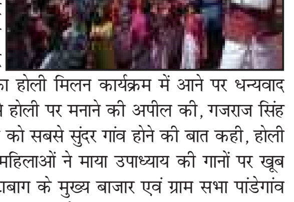

विधायक कैड़ा ने हल्द्वानी बैठक मै मुख्यमंत्री धामी के समक्ष रखी आदमखोर बाघ/गुलदार को निजात दिलाने की मांग

आज भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने हल्द्वानी मै बैठक के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भीमताल विधानसभा क्षेत्र के ओखलकांडा, धारी, रामगढ़ व भीमताल ब्लॉक के अंतर्गत विभिन्न गांवों में बढ़ते आदमखोर बाघ या गुलदार के आंतक से अवगत कराया ! विधायक ने कहा बीते दिनों धारी के तल्ली दिनी, खुटीयाखाल व ओखलकांडा के चमोली,भीमताल मै 4 चार महिलाओ को बाघ / गुलदार ने अपना निवाला बाना दिया है इन घटनाओं से ग्रामीण काफी भयभीत है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

भव्य होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर के कोसी बैराज स्थित एक रेस्टोरेंट में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खाती के नेतृत्व में भव्य होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया,कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल हुए, होली के रंगों और आपसी भाईचारे के साथ सभी ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम की अगुवाई नगर मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खाती ने की,इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश नैनीवाल, विधायक प्रतिनिधि जगमोहन सिंह बिष्ट, पूर्व राज्यमंत्री अमिता लोहनी, पूर्व राज्य मंत्री दिनेश मेहरा,किसान मोर्चा सदस्य संजय डोर्वी, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष घनश्याम शर्मा,मीडिया प्रभारी अशोक गुप्ता, पूर्व नगर अध्यक्ष मदन जोशी, महामंत्री सलभ मित्तल, महामंत्री नवीन करगेती, राकेश अग्रवाल, ऋषभ अग्रवाल, भावना भट्ट,भाजपा नेत्री आशा बिष्ट, संजय बिष्ट,महिला मोर्चा अध्यक्ष मीना राणा, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष आकाश कुमार, माया रावत,यतिन रौतेला,भरत तिवारी, नितेश शर्मा आदि मौजूद रहें।होली मिलन समारोह के दौरान पारंपरिक गीत-संगीत, रंग-गुलाल और सामूहिक मिलन ने माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम सामाजिक समरसता और संगठनात्मक एकता को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं,कार्यक्रम के अंत में सभी ने प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। आयोजन को सफल बनाने में कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया

रामनगर (संवाददाता)। आयुक्त खाद्य संरक्षा और औषधि प्रशासन उत्तराखंड एवं जिलाधिकारी के निर्देश पर रामनगर के खोया एवं मिठाई के एक दर्जन

से अधिक थोक एवं फुटकर विक्रेताओं के खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया ,निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान स्वामियों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री को विक्रय करने,बिना बिल के खरीद न करने और स्टॉक का विवरण रखने,कालातीत खाद्य सामग्री का विक्रय एवं भंडारण न करने ,अपने स्टोर का नियमित रूप से साफ सफाई और दवाओं का छिड़काव करने के विशेष निर्देश दिए।इसके साथ ही चार विक्रेताओं से गुणवत्ता जांच के लिए संदेह के आधार पर खोयके 04 सैम्पल जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी असलम खान ने बताया आगामी त्योहारों होली एवं रमजान को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है किसी भी सूरत में मिलावटी खाद्य सामग्री का विक्रय नहीं होने दिया जाएगा और ऐसा करने वालों के खिलाफ विभाग सख्त से सख्त कार्यवाही करेगा।आयुक्त के निर्देश पर जनपद में संयुक्त टीमों का गठन किया गया है जो प्रतिदिन कार्यवाही कर रही है जिसकी रिपोर्ट आयुक्त कार्यालय को भेजी जा रही है।

रामनगर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नगर पालिका ने चलाया अभियान,कई लोगों का किया सामान जप्त

रामनगर (संवाददाता)। नगर पालिका प्रशासन ने रामनगर के कुछ इलाकों में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाते हुए कई अतिक्रमणकारियों का सामान जप्त करने की कार्रवाई की।नगर पालिका द्वारा चलाए गए अभियान से अतिक्रमणकारियों में जहां एक और हड़कंप मच गया तो वहीं कई अतिक्रमणकारियों अपना सामान लेकर भागते हुए दिखाई दिए अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी आलोक

उनियाल ने बताया कि जिलाधिकारी एवं एसडीम रामनगर गोपाल सिंह चौहान के निर्देश पर शनिवार को पालिका टीम द्वारा नगर पालिका के समीप अस्पताल को जाने वाली सड़क एवं रानीखेत रोड पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया की कार्रवाई के दौरान कई अतिक्रमण कार्यों का समान और ठेली को जप्त करने की कार्रवाई की गई है।उन्होंने कहा कि 25 अतिक्रमण कारियो के खिलाफ कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि चार अतिक्रमण कारियो के चलान कर दो हजार रुपए जुर्माना वसूला गया है। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण के खिलाफ पालिका का यह अभियान लगातार जारी रहेगा साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों के द्वारा सड़क पर अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया है वह स्वयं अपना अतिक्रमण हटा ले अन्यथा नगर पालिका प्रशासन द्वारा इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।इस दौरान नगर पालिका टीम में नगर पालिका ईओ आलोक उनियाल,नगर पालिका प्रधान सहायक आनंद सांगा, नगर पालिका स्वास्थ्य निरीक्षक लल्ला मियां आदि मौजूद रहें।

रामनगर में बड़े मीट के रेटों को नगर पालिका के सभासदों ने खोला मोर्चा,जनता को बासी मीट बेचने का लगाया आरोप

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर में बड़े मीट के रेट में हो रही बढ़ोतरी को लेकर अब नगर पालिका के कुछ सभासदों ने इसके खिलाफ मोर्चा खोलते हुए नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल का घेराव करते हुए एक ज्ञापन सौंपा और इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।नगर पालिका के सभासदों ने आरोप लगाते हुए कहां की वर्तमान में नगर पालिका का स्लाटर हाउस बंद है और नगर पालिका द्वारा कुछ दुकान लॉटरी प्रक्रिया के तहत बड़े मीट बेचने के लिए आवंटित की गई थी।उन्होंने बताया कि मीट विक्रेता द्वारा बिना किसी बिल के यह मीट बेचा जा रहा है और उनका आरोप यह भी है कि दुकान दारो द्वारा मुस्लिम समाज के लोगों को हाइजीनिक एवं बासी मीट बेचा जा रहा है जिससे कभी भी कोई गंभीर बीमारी फैल सकती है इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि मीट 360 रुपए किलो बेचने का आरोप लगाते हुए

कहां की यह मूल्य से बहुत अधिक है।उन्होंने कहा कि जहां से यह मीट आ रहा है। वहा से यह मीट 250 रुपए किलों के हिसाब से आ रहा है लेकिन मोहल्ला खताड़ी स्थित ठेकेदारों द्वारा 360 रूपये किलो बेचा जा रहा है।मीट उपभोक्ताओं की जेब में डाका डाला जा रहा है।यह बहुत गलत हो रहा है।जब तक स्लाटर हाउस चालू नहीं हो जाता तब तक इन बड़े मीट की दुकानों को बंद किया जाए इसके साथ उन्होंने कई और भी गंभीर आरोप लगाए हैं।मामले में नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल ने कहा कि हाइजीनिक एवं वासी मीट को लेकर फूड विभाग की टीम के द्वारा निरीक्षण कराया जाएगा और इस पूरे प्रकरण पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान सभासद शमीम अहमद, सभासद तनुज दुर्गापाल, सभासद नदीम अंसारी, सभासद प्रतिनिधि जफर इकबाल, सभासद करीमुद्दीन, सभासद मोहम्मद अजमल, सभासद सलमान सलमानी, सभासद सचिन कुमार,सभासद प्रतिनिधि हेमंत बिष्ट, सभासद प्रतिनिधि राजा सलमानी, सभासद प्रतिनिधि मोहम्मद रिजवान आदि मौजूद रहें।

खतरनाक पेड़ों के खिलाफ कार्रवाई की मांग, सौंपा ज्ञापन

अल्मोड़ा(संवाददाता)। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर पेड़ों से बढ़ते खतरे को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजीव गुरुरानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने प्रभागीय वनाधिकारी अल्मोड़ा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जोखिमपूर्ण पेड़ों की शीघ्र पहचान कर उनके निस्तारण की मांग की गई। हाल ही में हवालबाग क्षेत्र स्थित एक छात्रावास की छत पर पेड़ गिरने की घटना का उल्लेख करते हुए प्रतिनिधिमंडल ने इसे गंभीर बताया। घटना में जनहानि नहीं होने के बावजूद इसे बड़ी दुर्घटना की चेतावनी माना गया। इस मामले में वन विभाग की सतर्कता पर भी सवाल उठाए गए। राजीव गुरुरानी ने कहा कि वन विभाग फील्ड स्तर के कर्मचारियों के माध्यम से नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वे कर ऐसे पेड़ों को चिन्हित करे, जो मकानों, छात्रावासों, मंदिरों और सरकारी विद्यालयों के लिए खतरा बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है। प्रतिनिधिमंडल ने हवालबाग की घटना की जांच की मांग करते हुए कहा कि यह स्पष्ट किया जाए कि पेड़ के कटान के लिए पूर्व में कोई आवेदन किया गया था या नहीं। यदि आवेदन लंबित रहा या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में शहरी क्षेत्रों में सरकारी भूमि पर खड़े पेड़ों की नियमित छंटाई और मंदिरों व विद्यालय परिसरों के आसपास जर्जर पेड़ों को प्राथमिकता के आधार पर हटाने की मांग भी की गई। इस दौरान पार्षद अमित शाह, देवाशीष नेगी, ललित मेहता, दर्शन रावत, अभिषेक जोशी और चंदन बहुगुणा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खनन रॉयल्टी पर जीएसटी वसूली के विरुद्ध उच्च न्यायालय से अंतरिम राहत

रामनगर (संवाददाता)। अधिवक्ता फैजुल हक ने बताया कि उच्च न्यायालय

उत्तराखण्ड नैनीताल की द्वैधपीठ मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय ने एक स्टोन क्रशर बनाम यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य में महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित किया है।याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता फैजुल हक एवं अधिवक्ता संजीव कुमार अग्रवाल ने न्यायालय के समक्ष यह पक्ष रखा कि खनन रॉयल्टी पर जीएसटी लगाए जाने के संबंध में पारित आदेश विधि-संगत नहीं है और उसके आधार पर की जा रही वसूली से याचिकाकर्ता को गंभीर आर्थिक क्षति हो रही है।न्यायालय ने पक्षों को सुनने के उपरांत प्रतिवादीगण को चार सप्ताह के भीतर प्रति-शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है।साथ ही, न्यायालय ने विवादित आदेश के अनुसरण में की जा रही वसूली पर अगली सुनवाई तक स्टे लगा दिया है।यह आदेश याचिकाकर्ता को महत्वपूर्ण अंतरिम राहत प्रदान करता है और प्रकरण के अंतिम निर्णय तक वसूली की कार्यवाही पर रोक सुनिश्चित करता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अजमेर से एचपीवी टीकाकरण अभियान का किया शुभारंभ

- मुख्यमंत्री धामी ने हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज से वर्चुअल सहभागिता कर अभियान को सफल बनाने का किया आह्वान

- देशभर में 1 करोड़ 15 लाख किशोरियों को मिलेगा मुफ्त एचपीवी टीका, उत्तराखंड में 155 केंद्रों पर व्यवस्था

हल्द्वानी(संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के अजमेर से 14 वर्ष की लड़कियों के लिए सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध देशव्यापी ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज से वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज में स्थापित एचपीवी टीकाकरण कक्ष का भी निरीक्षण किया तथा एचपीवी टीकाकरण हेतु आई 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं से भी वार्ता की एवं उन्हें इस टीके के लाभ के बारे में अवगत कराया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह अभियान स्वास्थ्य कार्यक्रम होने के साथ मातृशक्ति के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि एचपीवी टीकाकरण के इस अभियान की शुरुआत करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सिद्ध कर दिया है कि उनके लिए नारी सम्मान और सुरक्षा केवल नारा नहीं, बल्कि अटल संकल्प है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर मातृशक्ति के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। भारत में इस गंभीर बीमारी से वर्ष 2024 में ही 78 हजार से अधिक मामले सामने आए, जिसके कारण 42 हजार से अधिक महिलाओं की दुःखद मृत्यु हुई। यह बीमारी हजारों परिवारों के लिए पीड़ा का कारण बन रही है। इसी गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय स्तर पर एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ करने का निर्णय लिया, ताकि इस बीमारी की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके और आने वाली पीढ़ी को एक सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य प्रदान किया जा सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान के अजमेर से प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए इस अभियान के अंतर्गत देशभर में 14 वर्ष की लगभग 1 करोड़ 15 लाख से अधिक किशोरियों को मुफ्त एचपीवी वैक्सीन दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य में भी इस अभियान के प्रथम चरण में 155 केंद्रों पर व्यापक स्तर पर टीकाकरण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस अभियान की सफलता के लिए डॉक्टरों, नर्सों, एएनएम, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया है ताकि कोल्ड-चेन व्यवस्था मजबूत हो। मुख्यमंत्री ने अभियान को सफल बनाने के लिए प्रदेश के सभी फ्रंटलाइन हेल्थ वॉरियर्स का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के प्रत्येक नागरिक के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है और उसे प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा है। देश में स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। पहले जहाँ देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे, आज वे बढ़कर 819 हो गए हैं आज मेडिकल छात्रों की संख्या में डेढ़ गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों में 23 नए एम्स बनाकर देश के मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना आयुष्मान भारत हमारे देश में संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से देश के करोड़ों परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति के कल्याण के लिए भी सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

हमारी लोकसंस्कृति और परंपराएँ ही हमारी असली पहचान हैं, जिन्हें सहेजना और आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी : जोशी

देहरादून(संवाददाता)। काबीना मंत्री गणेश जोशी द्वारा होली के पावन अवसर पर हाथीबड़कला स्थित अपने आवास में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, प्रबुद्धजनों, मीडिया प्रतिनिधियों तथा सामाजिक संगठनों से जुड़े

लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी ने मंत्री गणेश जोशी को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं और एक-दूसरे को रंगों के इस पर्व की बधाई दी। होली मिलन समारोह में कुमाऊँनी और गढ़वाल के राठ होलियारों की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। खड़ी होली की पारंपरिक धुनों पर गाए गए फाग गीतों ने वातावरण को भक्तिमय एवं आनंदमय बना दिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे होलियारों, छोलिया नृतकों तथा मसकबीन व ढोल-दमाऊँ की गूंजती थापों ने उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने भी होलियारों के साथ फाग गाकर एवं नृत्य कर कार्यक्रम का आनंद लिया। उन्होंने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हमारी लोकसंस्कृति और परंपराएँ ही हमारी असली पहचान हैं, जिन्हें सहेजना और आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। काबीना मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि होली का पर्व सामाजिक समरसता, भाईचारे और प्रेम का प्रतीक है। यह पर्व हमें जीवन की नकारात्मकताओं को त्यागकर सकारात्मकता को अपनाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि होलिका दहन हमें बुराइयों के अंत और अच्छाइयों की विजय का संदेश देता है। इसलिए हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि इस होली पर अपने भीतर की दुर्भावनाओं, ईर्ष्या और कटुता को समाप्त कर समाज में प्रेम और सौहार्द का वातावरण बनाएँ।

प्रेम, सौहार्द व सामाजिक समरसता का पर्व है होली : प्रेमचंद

ऋषिकेश(संवाददाता)। तीर्थनगरी में होली के उपलक्ष्य में विभिन्न संगठनों द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ फूलों और रंग से होली खेली जा रही है। इसके साथ वक्ता होली के महत्व के जरिए आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश भी दे रहे हैं।शनिवार को रेलवे मार्ग स्थित धर्मशाला में अग्रसेन महासभा द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ पूर्व कैबिनेट मंत्री व ऋषिकेश विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने किया। उन्होंने होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली आपसी प्रेम, सौहार्द और सामाजिक समरसता का पर्व है। यह समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। नई पीढ़ी को सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। समारोह में वृंदावन से आई वंदनाश्री के नेतृत्व में आई टीम ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कलाकारों ने अपनी भक्ति एवं सांस्कृतिक रंगों से परिपूर्ण प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर किया। होली के पारंपरिक भजनों एवं रास-लीला की झलकियों ने कार्यक्रम में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण का सृजन किया। समापन पर पुष्प वर्षा के साथ रंग-गुलाल लगाया गया। इस मौके पर अग्रसेन महासभा अध्यक्ष राजीव मोहन अग्रवाल, कृष्ण कुमार सिंघल, संजय अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, अजय गुप्ता, गोविंद अग्रवाल और सचिन अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। वरिष्ठ नागरिकों ने खेली होली: वरिष्ठ नागरिक कल्याण संगठन ने मधुबन वेडिंग प्वाइंट देहरादून रोड पर होली मिलन समारोह आयोजित किया। इसका शुभारंभ मेयर शंभू पासवान, राज्य महिला आयोग अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री शूरवीर सिंह सजवाण ने दीप जलाकर किया। मेयर शंभू पासवान ने कहा कि बुजुर्गों का सानिध्य प्राप्त होना सौभाग्य की बात है। उन्होंने संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की प्रशंसा की। इस दौरान सभी सदस्यों ने राधाकृष्ण झांकी का आनन्द लिया और समापन पर फूलों की होली खेली। इस मौके पर संगठन अध्यक्ष गुरविंदर सलूजा, महासचिव एसपी अग्रवाल, रानीपोखरी ग्राम प्रधान सुधीर रतूड़ी, डॉ. हरीश धींगरा, डॉ. एमसी त्रिवेदी, एसपी अग्रवाल, अशोक रस्तोगी, मदन वालिया, दिनेश मुद्गल, आलोक शर्मा, हरचरण सिंह, नरेन्द्र दीक्षित, अरविन्द जैन, आरडी गोनियाल, नरेश गर्ग, चन्दन सिंह पंवार, ओपी मुल्तानी, हरीश तोमर, मदनमोहन शर्मा, नरेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. एसडी उनियाल, संदीप शास्त्री, प्रतीक कालिया, एमएस राणा, रमेश जैन और विनय सारस्वत आदि उपस्थित रहे। शिक्षण संस्थानों में छात्र-छात्राओं ने खेली होली: डोईवाला। होली के उपलक्ष्य में सिद्धपीठ शक्ति भवन मंदिर में भजन संध्या का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में देहरादून से आए भजन गायक राकेश शर्मा और बलराम ने होली के रंग में रंगे भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भजन गायक राकेश शर्मा ने 'आज बृज में होरी रे रसिया..' और 'खेलो श्याम संग होरी..' जैसे भजनों से वातावरण भक्तिमय बना दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com